

प्रेस विज्ञप्ति

एनईसी ने सितंबर 2026 के दौरान 42.63 करोड़ रुपये जारी किए तथा 45.48 करोड़ रुपये मूल्य की परियोजनाओं के पूर्ण होने का अभिलेख दर्ज किया

<https://necouncil.gov.in/publication/press-releases>

शिलांग, 5 अक्टूबर 2026: उत्तर-पूर्वी परिषद् (एनईसी), शिलांग ने उत्तर-पूर्वी क्षेत्र (एनईआर) में विकास परियोजनाओं के समर्थन हेतु सितंबर 2026 के दौरान कुल **42.63 करोड़ रुपये** जारी किए। इसमें से **35.21 करोड़ रुपये** उत्तर-पूर्वी राज्यों को आवंटित किए गए, जबकि **7.42 करोड़ रुपये** क्षमता निर्माण, अवसंरचना और प्रौद्योगिकी के लिए क्षेत्रीय संस्थाओं एवं एजेंसियों को प्रदान किए गए।

राज्यों को निधि जारी करना

नागालैंड को **11.92 करोड़ रुपये** की राशि प्रदान की गई, जिसका उपयोग क्लस्टर-आधारित कॉफी मूल्य श्रृंखला विकास तथा चाकेसांग जनजाति के फुत्सेरोमी गांव में सांस्कृतिक गतिविधि परिसर जैसी पहलों के लिए किया जाएगा। मिजोरम को **6.29 करोड़ रुपये** की राशि बेटेल वेंग, चम्फाई में निर्माणाधीन सभागार; वांगछिया में सांस्कृतिक पर्यटन अवसंरचना; मिजो अदरक की खेती; आईटी-आधारित खनिज मानचित्रण; तथा सियाहा जिले में सामुदायिक अवसंरचना के लिए प्रदान की गई। असम को **4.42 करोड़ रुपये** बिनेश्वर ब्रह्मा इंजीनियरिंग कॉलेज, कोकराझार में छात्रावासों तथा तिनसुकिया में सिंगफो समुदाय से संबंधित पहलों के लिए प्रदान किए गए। सिक्किम को **4.17 करोड़ रुपये** नगर सीसीटीवी निगरानी तथा सरकारी डिग्री कॉलेज, रेनॉक में बहुउद्देशीय हॉल के लिए प्रदान किए गए। अरुणाचल प्रदेश को **3.40 करोड़ रुपये** जिला अस्पताल, यिंगकियांग में नर्सिंग छात्रावास, दिबांग घाटी में अचेसो पर्यटन परिसर तथा जीरो सिग्नेचर व्यू प्वाइंट के लिए प्रदान किए गए। त्रिपुरा को जारी परियोजनाओं के लिए किस्ते प्रदान की गई, जिनमें जनजातीय युवाओं के लिए मॉडल हाट, खुमुलुंग इको-पार्क के उन्नयन तथा बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती से संबंधित कार्यक्रम शामिल हैं। मणिपुर को औषधीय पौधों के दस्तावेजीकरण, जनजातीय अनुसंधान संस्थान में संग्रहालय-सह-पुस्तकालय तथा नदी मलबा संग्रहण इकाइयों के लिए किस्ते प्रदान की गई।

क्षेत्रीय संस्थाओं एवं एजेंसियों को निधि जारी करना

7.42 करोड़ रुपये के क्षेत्रीय आवंटन के अंतर्गत एनईसीबीडीसी को बांस कारीगर क्लस्टरों के लिए **2.88 करोड़ रुपये**, एनईएचएचडीसी को हथकरघा कौशल विकास के लिए **2.35 करोड़ रुपये** तथा एनईसीटीएआर को दूरस्थ विद्यालयों में एसटीईएम प्रयोगशालाओं के लिए **1.24 करोड़ रुपये** प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त, एनईडीएफआई, एनआईटी मेघालय, आईआईएम शिलांग, एनईएचयू और एनईएसएसी को भी योगदान दिया गया।

पूर्ण एवं बंद की गई परियोजनाएँ

सितंबर 2026 के दौरान एनईसी ने कुल **45.48 करोड़ रुपये** मूल्य की **14 प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं** के पूर्ण होने तथा बंद किए जाने का अभिलेख दर्ज किया। मेघालय में पूर्ण परियोजनाओं में पश्चिम खासी हिल्स के मावथाट्रैशान में विद्यालय भवनों का निर्माण, जिसकी लागत 4.75 करोड़ रुपये है, तथा शिलांग के लुम शत स्त्री केंचस ट्रेस में सेंग खासी री रैड लाबान सांस्कृतिक परिसर का विकास, जिसकी लागत 9.28 करोड़ रुपये है, शामिल हैं। इसका उद्घाटन 10 अक्टूबर 2026 को किया जाना निर्धारित है।



फोटो: शिलांग के लुम शत स्त्री केंचेस ट्रेस में सेंग खासी री रैड लाबान सांस्कृतिक परिसर

नागालैंड में कोहिमा के यासोगेई में **संगीत एवं युवा गतिविधि केंद्र** का विकास, जिसकी लागत **9.17 करोड़ रुपये** है, तथा फेक जीएचएस में सभागार और मूलभूत सुविधाओं का निर्माण, जिसकी लागत **1.92 करोड़ रुपये** है, पूरा किया गया। अरुणाचल प्रदेश में जेएन कॉलेज, पासीघाट में **छात्राओं के छात्रावास (G+1)** का निर्माण, जिसकी लागत **4.27 करोड़ रुपये** है, तथा सिक्किम में लिम्बू समुदाय के लिए **पिछड़ा समुदाय योजना**, जिसकी लागत **4.53 करोड़ रुपये** है, भी पूर्ण की गई।

कृषि क्षेत्र में, असम के कार्बी आंगलोंग और पश्चिम कार्बी आंगलोंग में **तीन परियोजनाओं को बंद घोषित किया गया**। इनमें लुम्बाजोंग विकास खंड में चिन्हित प्रमुख सेवाएँ, जिसकी स्वीकृत राशि **4.97 करोड़ रुपये** है; लुम्बाजोंग विकास खंड के सरमेन हांसे गांव में परियोजना, जिसकी लागत **1.97 करोड़ रुपये** है; तथा पश्चिम कार्बी आंगलोंग के चिंथोंग ब्लॉक की परियोजना, जिसकी लागत **4.61 करोड़ रुपये** है, शामिल हैं। इन परियोजनाओं के माध्यम से सेवा वितरण और ग्रामीण विकास के लिए एनईसी का कुल **11.55 करोड़ रुपये** का सहयोग प्रदर्शित होता है।

क्षेत्र-विशिष्ट पहलों में भी पूर्णता दर्ज की गई, जिनमें एनईसीबीडीसी के माध्यम से **2.10 करोड़ रुपये** की लागत से सात बांस प्रसंस्करण प्रोटोटाइप प्रोसेसर, मिजोरम के **150 विद्यालयों** को शामिल करने वाला आईटी शिक्षा कार्यक्रम, जिसकी लागत **11.08 करोड़ रुपये** है, एवीजीसी और आईटी-आईटीईएस प्रशिक्षण के लिए गैप-फंडिंग, एआई एवं उभरती प्रौद्योगिकियों पर संगोष्ठी, **एनएसएसएस 2026** तथा शिलांग के **20 संस्थानों** को शामिल करने वाला शी-फ्रेंडली कार्यक्रम शामिल हैं।

निधियों का जारी किया जाना और पूर्ण की गई पहलें, **डोनर मंत्रालय** के अंतर्गत, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में शिक्षा, युवा विकास, कृषि, संस्कृति, कौशल, पर्यटन और सामुदायिक विकास के क्षेत्रों में कार्यात्मक अवसंरचना तथा अवसरों पर एनईसी के फोकस को प्रतिबिंबित करती हैं।
